Literacy for a Billion

Movie: Mere Hamdam Mere Dost
Year: 1968

Song: Na Jaa Kahin Ab Na Jaa
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा
ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा
है यही दिल कूचा तेरा
ए मेरे हमदम मेरे दोस्त
ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा
है यही दिल कूचा तेरा
ए मेरे हमदम मेरे दोस्त
ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा

आ के खून दिल मिला के
भर दूँ इन लबों के खाके
आ के खून दिल मिला के
भर दूँ इन लबों के खाके
आ के खून दिल मिला के
बुझा बुझा बदन तेरा
कँवल कँवल बना के
खिला दू रंगे हिना

ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा
ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा

आज शहरे दिल में चलकर
सुरते चिराग जलकर
आज शहर दिल में चलकर
सुरते चराग जलकर
किसी झुकी हुई
नज़र के काजल से दिल पर
ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा
है यही दिल कूचा तेरे
ए मेरे हमदम मेरे दोस्त
ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा
ना जा कहीं अब ना जा
दिल के सिवा
दिल के सिवा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.